>

Title: Need to ensure availability of fertilizers to farmers at affordable price and to remove the disparity between supply and distribution thereof.

श्रीमती उषा वर्मा (हरदोई): दिनों दिन अलाभकारी होती कृषि से किसान अपनी आजीवीका चलाने में असमर्थ है। देश में कृषकों द्वारा आए दिन आत्महत्याओं की खबरें मिलती हैं।

आज देश में किसानों को विभिन्न खादों पर बिचौलिए अत्यधिक मूल्य वसूल रहे हैं। खादों के दाम 100 से 1500 फीसदी तक बढ़ गए हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में उर्वरकों की तस्करी आम बात है। 251 रूपये मूल्य के यूरिया के लिए किसानों को 500 रूपये से अधिक मूल्य चुकाने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देश में ज्यादातर राज्यों में वितरण, स्टॉक एवं आपूर्ति में काफी अनियमितताएं हैं। रिपोर्ट में साफ शब्दों में कहा गया है कि ज्यादातर वितरक किसानों से उर्वरकों के अधिकतम खुदरा मूल्य वसूल रहे हैं।

मेरी मांग है कि किसानों को उचित मूल्य पर वे सभी उर्वरक समय से सरकार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें जिसकी उन्हें फसलों के लिए आवश्यकता है। खादों की कालाबाजारी हर हाल में रोकी जाए। खादों की तस्करी न हो, निगरानी तंत्र मजबूत की जाए और वह सभी कदम किसानों के हितों में उठाए जाएं जिनसे फसलों की पैदावार बढ़ाने में किसानों को सहूलियतें हो।